A–0452

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

MASL–601

M.A. Sanskrit (MASL)

काव्यशास्त्र भाग-01

Examination February, 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 2×19=38

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. मम्मट का काव्यशास्त्र के योगदान पर विस्तृत विवेचना कीजिए।
2. आनन्दवर्धन द्वारा प्रतिपादित ध्वनि सिद्धान्त का विवेचना कीजिए।
3. संस्कृत काव्यशास्त्र की परम्परा का ऐतिहासिक विकास समझाइए।

4. कुंतक का परिचय देते हुए उनके सिद्धांतों का वर्णन कीजिए।

5. भामह और दण्डी के साहित्यिक योगदान का तुलनात्मक अध्यन कीजिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न 4×8=32

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. रीतिरात्मा काव्यस्य के प्रतिपादिक का परिचय दीजिए।

2. संस्कृत महाकाव्य की परिभाषा तथा उत्पत्ति का विवेचन कीजिए।

3. शिवराजविजय का विस्तृत परिचय दीजिए।

4. नाट्य साहित्य के विकास पर निबंध लिखिए।

5. बाणभट्ट का विस्तृत परिचय दीजिए।

6. रूपगोस्वामी और पंडितराज जगन्नाथ के साहित्यिक योगदान की विवेचना कीजिए।

7. दण्डी का विस्तृत परिचय दीजिए।

8. नाट्य साहित्य के उद्‌भव टिप्पणी लिखिए।

****